संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 03 दिनांक 24/04/2021

कालाबाजारी करने वालों की सूचना देने की अपील

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमण काल के भयावह दौर में भी कई लोग मुनाफाखोरी और कालाबाजारी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। आवश्यक दवाइयों के साथ रोजमर्रा की कई वस्तुओं के दाम मनमाने ढंग से बढ़ा दिए गए हैं। इससे निम्न और मध्यम वर्गीय परिवारों के हाल बेहाल हो रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। पुलिस प्रशासन द्वारा आमजन से कोरोना संक्रमणकाल में आवश्यक दवाओं, आक्सीजन, रेमडेसिविर इंजेक्शन आदि की कालाबाजारी करने वालों की सूचना देने की अपील की गई है।

एसपी गौरव तिवारी ने बताया कि कोरोना संक्रमण काल में आवश्यक दवाओं, आक्सीजन व रेमडेसिविर इंजेक्शन आदि की आवश्यकता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इससे प्रदेश में कई स्थानों पर कालाबाजारी शुरू हो गई है। पीड़ितों के स्वजन से निर्धारित

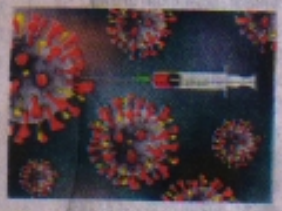

से अधिक मूल्य लेने की की घटनाएं लगातार प्रकाश में आ रही है। पुलिस ने जारी बयान में कहा कि जिले में यदि कोई व्यक्ति, दुकानदार या संस्था आवश्यक दवाओं, आक्सीजन, रेमडेसिविर इंजेक्शन आदि की कालाबाजारी कर रहा है या उक्त वस्तुओं को निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर बेच रहा है तो हेल्पलाइन नंबरों 7049162265, 07412-270474 या 07412-222223 पर जानकारी साझा कर सकता है। जानकारी पर पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूचनाकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

23 दिन में सामने आए 3376 नए संक्रमित, 69 की मौत

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना की सबसे तेज व घातक रफ्तार अप्रैल में देखने को मिल रही है। चालू माह में 23 दिनों में ही 69 मौत हो चुकी है। शासन-प्रशासन द्वारा हर स्तर पर संक्रमण की रफ्तार रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही व नादानी से संक्रमण की चेन तोड़ने में दिक्कत हो रही है। नतीजतन स्थिति हर जगह बेकाबू होती जा रही है। लॉकडाउन में ढील के दौरान बाजार में न तो व्यापारी नियमों का पालन कर रहे हैं और न ही ग्राहक। कई लोग बेवजह सड़क पर आवाजाही कर रहे हैं। जगह-जगह तैनात पुलिस जवानों द्वारा आवाजाही करने वालों को रोककर पूछताछ की जा रही है, लेकिन लोग तरह-तरह के बहाने बनाकर बच रहे हैं।

देश-प्रदेश के साथ जिले में अप्रैल में कोरोना की रफ्तार रॉकेट के समान बनी हुई है। हर दिन अलग-अलग क्षेत्रों से नए केस सामने आ रहे हैं और कई लोगों की असमय मौत हो रही है। सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में गंभीर मरीजों को भर्ती करने के लिए एक भी बेड खाली नहीं है। सभी जगह वेटिंग चल रही है और नए केस भी लगातार सामने आ रहे हैं। ज्यादातर मरीजों में आक्सीजन लेवल कम होने की शिकायत है। अप्रैल के 23 दिनों में 3376 पाजिटिव केस सामने आ चुके हैं, वहीं 2632 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया जा चुका है। शुक्रवार को 263 नए मरीज सामने आए। पांच मौत हुई और 133 मरीज स्वस्थ भी हुए।

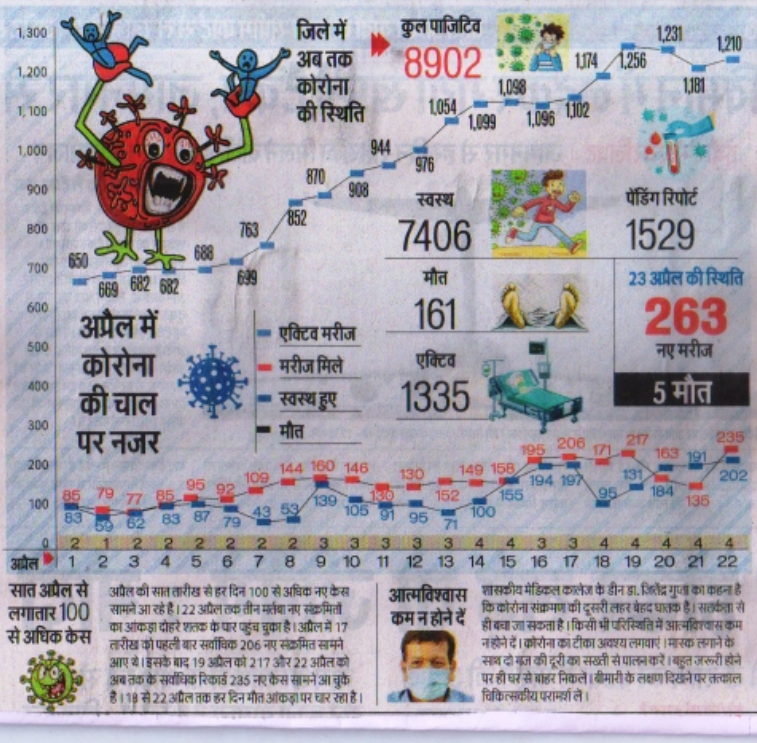

सात अप्रैल से लगातार 100 से अधिक केस

अप्रैल की सात तारीख से हर दिन 100 से अधिक नए केस सामने आ रहे हैं। 22 अप्रैल तक तीन मर्तबा नए संक्रमितों का आंकड़ा दोहरे शतक के पार पहुंच चुका है। अप्रैल में 17 तारीख को पहली बार सर्वाधिक 206 नए संक्रमित सामने आए थे। इसके बाद 19 अप्रैल को 217 और 22 अप्रैल को अब तक के सर्वाधिक रिकार्ड 235 नए केस सामने आ चुके है। 18 से 22 अप्रैल तक हर दिन मौत आंकड़ा पर चार रहा है।

आत्मविश्वास कम न होने दें

शासकीय मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता का कहना है कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर बेहद घातक है। सतर्कता से ही बचा जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में आत्मविश्वास कम न होने दें। कोरोना का टीका अवश्य लगवाएं। मास्क लगाने के साथ दो गज की दूरी का सख्ती से पालन करें। बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। बीमारी के लक्षण दिखने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें।

आत्मविश्वास, साहस, दृढ़ निश्चय और सकारात्मक सोच से ही हम कोरोना को पराजित कर सकते हैं। सभी वरिष्ठजन अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलें। कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाने के साथ शारीरिक दूरी के नियम का कड़ाई से पालन करें। कोरोना का टीका अनिवार्य रूप से लगवाएं। – **कीर्ति कुमार शर्मा, उप प्रांताध्यक्ष, पेंशनर्स एसोसिएशन मप्र**

वर्तमान हालात को ध्यान में रखते हुए पहले से ज्यादा सावधानी की जरूरत है। हाथों को बार-बार साबुन से धोएं। टीका समय पर लगवाएं। लापरवाही बिल्कुल न करें। ज्यादा तनाव न लें। धैर्य और साहस के साथ इस विकट परिस्थिति का सामना करें। – **अंजलि पोरवाल, छात्रा, बीकाम फाइनल, सोमवारिया जावरा**

अपने घर में ही रहें, सुरक्षित रहें। मास्क लगाएं। कोरोना गाइड-लाइन का पालन करें। आपका जीवन अमूल्य है। आपके परिवार के लिए बहुमूल्य है। सतर्कता बरतें। दूसरों को भी प्रेरित करें। –**फरीद खान, लेखक, जावरा**

सभी मास्क लगाने के साथ-साथ कोरोना का टीका लगाने के लिए भी अन्य लोगों प्रेरित करें। मास्क और वैक्सीन से ही हमारी सुरक्षा संभव है। घर पर रहें, सुरक्षित रहें। कोविड-19 नियमों का कड़ाई से पालन करें। –**अजय पटवा, रेडीमेड व्यापारी, जावरा**

आमजन को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए अपनी सुरक्षा स्वयं ही करना चाहिए। यथासंभव बेहद जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। सावधानी रखें। सर्दी, खांसी, बुखार होने पर छिपाए नहीं, तुरंत सरकारी अस्पताल जाकर जांच कराएं।
–**सराफ प्रकाश कांठेड़, उपाध्यक्ष, रतलाम जिला सराफा एसोसिएशन**

दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी। इसके अलावा यदि सभी सावधानियां बरतने के बाद भी दुर्भाग्यवश कोई इसकी चपेट में आ जाता है तो उसको चाहिए कि बिल्कुल तनाव मुक्त रहकर अपना इलाज कराएं। याद रखिये लोग कोरोना से कम और इसकी दहशत से ज्यादा मर रहे हैं।
–**अली अकरम, रिटायर्ड उच्च श्रेणी लिपिक, बिजली कंपनी, जावरा**

डाक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिस, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों द्वारा इस विपदा की घड़ी में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। जनता को शासन-प्रशासन के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। सकारात्मक सोच रखते हुए सहयोग करना चाहिए।
–**श्रेणिक खारीवाल, हुंडी दलाल, जावरा**

संकलन--नगर निगम, रतलाम अखबार राज एक्सप्रेस पृष्ठ 07 दिनांक 24/04/2021

आज 98 स्थानों पर लगेंगे कोरोना के टीके

रतलाम। जिले में शनिवार को आयोजित किए जाने वाले कोविड-19 टीकाकरण के लिए 98 स्वास्थ्य केंद्रों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। सत्रों के दौरान 45 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति कोविड-19 का टीका लगवा सकेंगे। शहर के बाल चिकित्सालय, रेलवे हास्पिटल, पुराना कलेक्टोरेट, कम्युनिटी हाल अलकापुरी, जवाहर नगर, जिला आयुष अस्पताल, जैन स्कूल के काश्यप सभागृह सागोद रोड आदि स्थानों पर निशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। जबकि निजी अस्पतालों आरोग्यम हास्पिटल, गीतादेवी हास्पिटल, श्रद्धा हास्पिटल, आशीर्वाद नर्सिंग होम, जैन दिवाकर हास्पिटल और साईं श्री अस्पताल में सशुल्क टीकाकरण किया जाएगा।

इसी प्रकार सैलाना विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैलाना, पीएचसी सरवन, शिवगढ़, सकरावदा पर टीके लगाए जाएंगे। सैलाना के ग्रामीण क्षेत्रों करिया, भामट, पाटड़ी, सांसर, कोटड़ा, कांगसी, अडवानिया, बायड़ी, बासिंद्रा, खेड़ीकला, नारायणगढ़, भल्ला का माल, वेडदा, बल्लीखेड़ा, गुड़भेली, बोरदा, सालरपाड़ा, कुंडा, अमरगढ़, चावड़ाखेड़ी, मकोड़िया रुंडी में टीके लगेंगे।

रतलाम ग्रामीण के सीएससी नामली, पीएचसी बिलप्रांक, बांगरोद, धामनोद, बिरमावल, जड़वासाकलां, धौंसवास फलुना, बड़ौदा, सेमलिया, दिवेल, मांगरोल, शिवपुर, भदवासा, उमरथाना, सरवड़, मथुरी, चिकलिया के स्वास्थ्य केंद्रों पर टीके लगेंगे। पिपलौदा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपलौदा, स्वास्थ्य केंद्र बोरखेड़ा, ऊपरवाड़ा, चौरासी बड़ायला, कालूखेड़ा, पंचेवा, धामेड़ी, रणायरा, रियावन, मामटखेड़ा आदि स्थानों पर टीके लगाए जाएंगे।

जावरा विकासखंड के सिविल हास्पिटल जावरा, पीएचसी ढोढर, रिंगनोद, स्वास्थ्य केंद्र बिनोली, सादाखेड़ी, गोठड़ा, असावती, मांडवी, रोला, पिपलियासिर में टीकाकरण किया जाएगा। बाजना विकासखंड में सीएससी बाजना, पीएचसी रावटी, कुंदनपुर, देवल, हरथल आदि स्थानों पर टीकाकरण किया जाएगा। आलोट क्षेत्र में सिविल अस्पताल आलोट, सीएचसी ताल, खारवाकलां, स्वास्थ्य केंद्र मीनावदा, रिछा, किशनगढ़, माधवपुर, आक्याकलां, पिपलिया सिसौदिया, जमुनिया शंकर, नारायणगढ़, गुलबालोद, भीम गुराड़िया, गुड़ खेड़ी आदि स्थानों पर टीकाकरण किया जाएगा।

519 लोगों को लगाया कोरोना का टीका

जिले में 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। शुक्रवार को आयोजित सत्रों के दौरान कुल 519 लोगों का टीकाकरण किया गया। रतलाम के बाल चिकित्सालय में कुल 365 हितग्राहियों को कोविड-19 के टीके लगाए गए। आरोग्यम हास्पिटल में 95, पुराना कलेक्टोरेट में 41, गीतादेवी अस्पताल में 10 और श्रद्धा हास्पिटल में आठ लोगों का कोविड-19 टीकाकरण किया गया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार राज एक्सप्रेस पृष्ठ 1 दिनांक 25/04/2021

मुख्यमंत्री ने की नगरीय क्षेत्रों के जन-प्रतिनिधियों, सांसद और विधायकों से अपील

कोरोना संक्रमण चेन को तोड़ने में सहयोग करें जन-प्रतिनिधि

सभी पॉजिटिव मरीजों को मेडिकल किट का वितरण हो

भोपाल, (प्रस)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों से कोरोना चेन को तोड़ने में सहयोग का आह्वान किया है। श्री चौहान बर्चुअली नगरीय क्षेत्रों के जन-प्रतिनिधियों को कोविड-19 की रोकथाम के संबंध में मुख्यमंत्री निवास से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि शीघ्र ही योग से निरोग का अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक 10 पॉजिटिव मरीजों पर एक योग ट्रेनर फोन से योग कराएगा, डाइट और मनोबल बढ़ाने का परामर्श देगा। वीडियो कॉन्फ्रेंस में क्षेत्रीय सांसद और विधायक भी शामिल हुए।

श्री चौहान ने नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों से कहा कि कोरोना संक्रमण श्रृंखला को तोड़ने के प्रयासों में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 25 हजार कोरोना संक्रमित हैं, जबकि सात करोड़ 99 लाख 15 हजार स्वस्थ हैं। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि उनको संक्रमण से बचाएं, जो स्वस्थ हैं, स्वस्थ रहें और घर पर रहें। उन्होंने जन-प्रतिनिधियों से कहा कि होम आइसोलेशन में रोगियों के साथ दूरभाष पर संपर्क करें, कोविड केयर सेंटर की व्यवस्थाओं की समीक्षा करें, सभी पॉजिटिव मरीजों को मेडिकल किट का वितरण हो यह सुनिश्चित करें।

जहां भी सर्दी, जुकाम, बुखार के प्रकरण की सूचना मिले तत्काल उनकी जाँच कराएँ और जाँच के साथ ही उन्हें मेडिकल किट भी प्रदाय की जाए, इसकी व्यवस्था करें। मेडिकल किट के साइड इफेक्ट नहीं होते हैं और यह संक्रमण को फैलने नहीं देता है। उन्होंने कहा कि पॉजिटिव मरीज होम आइसोलेशन में रहें। घर में व्यवस्थाएं नहीं होने पर, उन्हें कोविड सेंटर में रखा जाए।

टीकाकरण के लिए लोगों को करें प्रेरित

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कोरोना कर्फ्यू में 30 अप्रैल तक कोई अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकले और वैक्सीनेशन का कार्य तीव्र गति से हो। इसके लिए अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हुआ है कि जिनको वैक्सीनेशन के दो टीके लगे हैं। उनमें से 99 प्रतिशत संक्रमित नहीं हुए हैं, जो हुए भी हैं, वह मामूली रूप से प्रभावित हुए। ऐसा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने से हुआ है। इसलिए टीकाकरण के कार्य को व्यापक स्तर पर संचालित कराएं। आगामी एक मई से 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का निःशुल्क टीकाकरण होगा। इसके लिए अपने-अपने क्षेत्र में व्यापक टीकाकरण की योजना बना लें।

स्ट्रीट वेंडरों के खातों में जमा कराए गए एक-एक हजार रुपए

श्री चौहान ने कहा कि स्ट्रीट वेंडर और फुटपाथ विक्रेताओं की आजीविका की सुरक्षा के लिए एक-एक हजार रुपए उनके खातों में तत्काल जमा कराए गए हैं। उनको तीन माह तक निःशुल्क राशन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि स्ट्रीट वेंडर अपनी सेहत ध्यान रखें। उनकी जरूरतों को सरकार पूरा करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों के लिए भोजन इत्यादि की व्यवस्थाएं दीनदयाल रसोई योजना से की जाएगी। उन्होंने सैनेटाइजेशन और स्वच्छता के प्रयासों पर भी विशेष बल दिया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 04 ....दिनांक 24/04/...2021

पथ विक्रेताओं के खाते में एक-एक हजार रुपये जमा कराएगी सरकार

24-4-2021

भोपाल (नईदुनिया स्टेट ब्यूरो)। शहरों में फुटपाथ पर हाथ ठेला लगाकर काम-धंधा करने वाले पथ विक्रेताओं के खातों में सरकार एक-एक हजार रुपये जमा कराएगी। इन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए सरकार ने पिछले साल दस हजार रुपये का ऋण अपनी गारंटी पर बिना ब्याज के दिलाया था। कोरोना संक्रमण की कड़ी को तोड़ने के लिए लागू जनता कर्फ्यू से एक बार फिर इनके काम ठप हो गए हैं।

यह घोषणा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को सांसद, विधायक और नगरीय निकायों के पूर्व महापौर, अध्यक्ष और पार्षदों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किए गए संवाद के दौरान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वेच्छा से बंद हो या फिर जनता कर्फ्यू, इससे कई लोग रोजी-रोटी के लिए परेशान होते हैं। इसके मद्देनजर हमने तय किया है कि उद्योग चलते रहेंगे। पिछले साल लॉकडाउन से पथ विक्रेताओं की रोजी-रोटी पर संकट आ गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पथ विक्रेताओं को बैंकों से ऋण दिलाने की योजना प्रारंभ की थी।

निर्णय

- कोरोना संक्रमण के कारण ठप हुए काम को देखते हुए किया निर्णय
- मुख्यमंत्री ने सांसद, विधायक और पूर्व महापौर, अध्यक्ष से किया संवाद

यह मांगा सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि आस-पड़ोस या मोहल्ले में किसी को सर्दी, जुकाम या बुखार हो तो तत्काल जांच करवाएं। जब तक रिपोर्ट न आए, घर पर रहने के लिए कहें। दवा की किट दिलवाएं और होम आइसोलेशन में रहने के लिए कहें। यदि व्यवस्था न हो तो कोविड केयर सेंटर में भर्ती कराएं। शुक्रवार से योग से निरोग अभियान शुरू कर रहे हैं। इसमें होम आइसोलेशन में रहने वाले दस मरीजों पर एक योग सिखाने वाला होगा। इसमें मदद करें। टीका लगवाने के लिए लोगों को प्रेरित करें।

कर्मचारी संगठन ने 48 घंटे का नोटिस दिया, अब आंदोलन करेंगे सफाई कर्मचारी

रतलाम. नगर निगम संयुक्त सफाई कर्मचारी संघर्ष समिति ने निगम प्रशासक व आयुक्त को 48 घंटे का नोटिस दिया है। कर्मचारी नेताओं के अनुसार बार बार बोलने के बाद भी कचरा संग्रहण वाहन चालक के वेतन में से जो 1.07 लाख रुपए काटे गए उनको लौटाया नहीं जा रहा है। इसलिए अब आंदोलन किया जाएगा। संगठन अध्यक्ष राम कल्याणे, कमल शिंदे, अमर चौहान, संजय पैमाल, विजय खरे आदि ने बताया कि वाहन चालक निगम में कचरा संग्रहण वाहन को लेकर आए थे। इसके बाद भी संसाधन चोरी होने पर चालक दल के सदस्यों के वेतन में से रुपए काट दिए गए। जबकि जांच यह होना चाहिए थी कि निगम में से चोरी कौन करके गया। इसलिए अब आंदोलन किया जाएगा। 5/4/2021

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–पत्रिका---पृष्ठ ०२...दिनांक २४/०४/...2021

शहर के दो ऑक्सीजन प्लांट से आनन-फानन में नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा लाए गए ऑक

मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की क
हड़कंप, आईसीयू में मरीज की मौत प

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 24-4-2021

रतलाम. मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार की रात हड़कंप मच गया। दरअसल एक और यहां पर ऑक्सीजन खत्म होने की कगार पर आ गई थी जिसके चलते ऑक्सीजन बेड के 350 मरीजों की जान पर संकट बनाया था तो वहीं दूसरी ओर आईसीयू के अंदर एक मरीज की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया। गुस्साए परिजनों द्वारा यहां पर डॉक्टर के साथ झूमा झटकी करने की भी सूचना है जिससे गुस्साए डॉक्टरों द्वारा कुछ देर के लिए काम बंद कर दिया गया था।

वहीं दूसरी और मेडिकल कॉलेज से देर रात आई कोरोना जांच रिपोर्ट में पहली बार रिकॉर्ड 250 से अधिक नए पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं। इतना ही नहीं मौत का आंकड़ा भी अब 4 से बढ़कर 5 पर पहुंच गया है जोकि कोरोना की भयावह स्थिति को दर्शा रहा है। यदि अब भी नहीं समभले तो आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। फिलहाल पुलिस, प्रशासन स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों के आंकड़े कम करने के साथ ही मौत के आंकड़ों में कमी लाने के सभी प्रयास नाकाम साबित हो रहे हैं।

साहब...जरा इन पर भी ध्यान दीजिए...यह भी आपके अपने हैं

मेडिकल कॉलेज में बीते कुछ समय से बिगड़ी व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सभी लोगों को सामूहिक प्रयास करने होंगे। हालांकि बीते कुछ दिनों से व्यवस्था में थोड़ा बदलाव नजर तो आने लगा है लेकिन यह काफी नहीं है। साहब लोगों को अपने रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों के अतिरिक्त अन्य मरीजों पर भी ध्यान देना होगा तो ही हालात बेहतर हो सकेंगे।

दरअसल रतलाम मेडिकल कॉलेज में बीते कुछ समय से अधिकारी से लेकर जनप्रतिनिधि और डॉक्टर तक उनसे दूर परिवार के सदस्यों को बीमार होने पर रतलाम बुलवाकर मेडिकल कॉलेज में उपचार कर रहे हैं। हालांकि इसमें बुराई तो कुछ नहीं, वह भी किसी के परिवार के सदस्य हैं और उपचार उन्हें भी मिलना चाहिए लेकिन जिम्मेदारों को इनके साथ ही अन्य मरीजों पर ठीक से ध्यान देना होगा।

सभी को है उम्मीद

रतलाम को मिली सौगात के चलते महामारी के इस दौर में लोगों को राहत भी मिल रही है। हर कोई उम्मीद लेकर अपने बीमार परिजनों को मेडिकल कॉलेज में बेहतर उपचार के लिए ला रहा है। दरअसल निजी अस्पतालों की मनमानी के चलते वे लोग कोरोना संक्रमित मरीजों को भर्ती नहीं कर रहे हैं। कोई दो अलग-अलग रास्ते नहीं होने की बात कर रहा जो कोई मरीजों को ही ऑक्सीजन लाने का बोल रहा है जिसके चलते परेशान होकर मरीज मजबूरी में मेडिकल कॉलेज पहुंच रहे हैं।

30% आरक्षित थे बेड

कोरोना मरीजों के उपचार के लिए सरकार ने सभी अस्पतालों को 30% बेड आरक्षित रखने के निर्देश जारी किए हैं लेकिन रतलाम के कुछ अस्पताल शासन के नियमों को धता बता रहे हैं। निजी अस्पताल और नर्सिंग होम की मनमानी पर प्रशासन भी लगाम नहीं लगा पा रहा है जिसका खामियाजा मरीजों को

मेडिकल किट वितरण: स्वच्छता कार्य में भेदभाव, किसी वार्ड में 25 तो किसी वार्ड में मात्र 10 कर्मचारी

रतलाम. नगर निगम वार्डों में स्वच्छता कार्य के लिए लगाए कर्मचारियों की संख्या में भेदभाव कर रही है। किसी में 10 कर्मचारियों के भरोसे पूरी स्वच्छता है तो किसी वार्ड में 25 कर्मचारी लगाए है। कर्मचारी व प्रभारी मिलजुलकर कोरोना के घर में रहकर इलाज करवाने वाले मरीजों को मेडिकल कीट का वितरण कर रहे है।

शहर के वार्ड नंबर एक सहित करीब 12 वार्डों में 10 से लेकर 13 कर्मचारियों के भरोसा स्वच्छता सर्वेक्षण की कमान दी हुई है। जबकि दो बत्ती सहित बाजार के प्रभावशाली वार्ड नंबर तीन, 13 में इस समय 25 से 30 कर्मचारी एक ही वार्ड में काम कर रहे है।

वार्ड नंबर एक में काम करने वाले एक कर्मचारी ने नाम नहीं प्रकाशन के आग्रह के साथ बताया कि सुबह करीब 5 बजे से वार्ड में सफाई कार्य की शुरुआत होती है जो 9 बजे तक चलती है। इस बीच कचरा गाड़ी आकर चली जाए व कोई व्यक्ति समय पर कचरा डालने से रह जाए तो वे अपने घर के बाहर ही प्लास्टिक की थैली को रख देते है। कुछ लोग तो मुख्य से लेकर गली की सड़क तक साफ होने के बाद भी घर का कचरा डालते है। उसको भी साफ करना जरूरी होता है। इसके बाद मेडिकल कीट का वितरण करना होता है। इस बीच अगर कही से फोन आ जाए की कचरा पड़ा हुआ है तो उसको फिर उठाने जाना पड़ रहा है।

शिकायत की गई मेरे वार्ड में कर्मचारी मात्र 11 है व करीब तीन माह से आयुक्त को शिकायत की गई है। उन्होंने प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी को इस संबंध में व्यवस्था सुधार के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक इसका पालन नहीं हुआ है। - भावना पैमाल, पूर्व पार्षद वार्ड नंबर एक

वार्डों के संबंध में सूचना मिली है। इसकी समीक्षा की जा रही है कि किस वार्ड में कितने कर्मचारी है व वार्ड का क्षेत्रफल व जनसंख्या कितनी है। जल्दी ही इसमे सुधार हो जाएगा। - **सोमनाथ झारिया** आयुक्त नगर निगम

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–पत्रिका –पृष्ठ 09 दिनांक 24/04/2021

रतलाम: कोरोनाकाल में मरीजों को प्राण देने के लिए तैयार हो रहा ऑक्सीजन प्लांट

रतलाम. कोरोना महामारी के इस दौर में मरीजों को यदि किसी की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ रही है तो वह है ऑक्सीजन। मेडिकल कॉलेज में भर्ती करीब 350 मरीजों को लगातार ऑक्सीजन की पूर्ति की जा रही है। किसी को 4 लीटर तो किसी को 18 लीटर ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। इसके अतिरिक्त जिला अस्पताल में तैयार किए गए कोविड सेंटर में भी लगातार ऑक्सीजन सप्लाई चल रही है। बात करें रतलाम मेडिकल कॉलेज की तो यहां प्रतिदिन 10 टन ऑक्सीजन की जरूरत है जिसकी पूर्ति करने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ रही है। हालांकि हर दिन अलग-अलग स्थानों से ऑक्सीजन लेकर टैंकर यहां आकर प्लांट में खाली हो रहे हैं जिससे मेडिकल ऑक्सीजन में बदलकर यह मरीजों तक पहुंचाई जा रही है। शहर विधायक चैतन्य काश्यप द्वारा उनके फाउण्डेशन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्लांट स्थापित किया जा रहा है। 1.02 करोड़ की लागत वाले प्लांट की क्षमता 57 मीटर क्यूब होगी। पीएसए तकनीक पर आधारित ट्राइडेंट कंपनी के ऑटोमेटिक प्लांट की डिलीवरी 2 से 3 सप्ताह में प्राप्त हो जाएगी। काश्यप के अनुसार जिला चिकित्सालय में 20 बिस्तर का कोविड आईसीयू बनाया है, 30 मीटर क्यूब प्रति घण्टे का पीएसए ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाया जा रहा है। इसके माध्यम से आईसीयू के सभी 140 मरीजों को निर्बाध ऑक्सीजन मिल जाएगी और संकट कम हो जाएगा।

वर्तमान में 10 कैप्सूल ऑक्सीजन की प्रतिदिन मेडिकल कॉलेज को ही आवश्यकता है जिसकी पूर्ति बड़ी मुश्किल से हो पा रही है। नया प्लांट स्थापित होने से काफी राहत मिलेगी। - **डॉ जितेंद्र गुप्ता**, डीन, मेडिकल कॉलेज रतलाम

कोविड प्रभारी मंत्री:

रतलाम-मंदसौर: मुख्यमंत्री से लगातार चर्चा

प्रदेश के वित्तमंत्री व रतलाम तथा मंदसौर के कोविड प्रभारी जगदीश देवड़ा ने बताया कि रतलाम में ऑक्सीजन प्लांट पर काम चल रहा है तो मंदसौर में ऑक्सीजन यूनिट बहुत जल्द शुरु हो जाएगी। ऑक्सीजन की पूर्ति रतलाम व मंदसौर जिले में की जा रही है। ऑक्सीजन को लेकर मुख्यमंत्री से भी बात हुई है। रतलाम, मंदसौर और नीमच में ऑक्सीजन को लेकर कमी नहीं आने देंगे व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है। साथ ही दवाओं की पूर्ति और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी सभी कलेक्टर्स को लगातार निर्देशित कर रहे हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 06...दिनांक..२५/०५/...2021

पात्रता पर्ची वालों को ही मिलेगा निशुल्क राशन

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। सरकारी उचित मूल्य दुकानों में पात्रता पर्ची वालों को ही निशुल्क चावल-गेहूं मिलेगा। शकर, नमक और केरोसिन का पहले जैसे ही भुगतान करना होगा। कोरोना संक्रमण के चलते सरकार ने तीन महीने अप्रैल, मई, जून का राशन निशुल्क देने की घोषणा की है, जिसके तहत यह आदेश हुआ है। जिले में अभी दो महीने का राशन दिया जा रहा है और जून का आवंटन आने के बाद दिया जाएगा। पिछले साल जैसी व्यवस्था इस बार नहीं है। एक ही योजना जो चल रही, उसी में निशुल्क वितरण के आदेश हो गए हैं। जिन गरीबों व कमजोर वर्गों के राशन कार्ड या पात्रतापर्ची नहीं बनी है, उन्हें राशन नहीं मिलेगा। जिले में दो लाख 23 हजार 395 परिवारों की पात्रता पर्ची बनी है और इन्हीं को निशुल्क राशन प्राप्त होगा।

कहीं से भी प्राप्त कर सकते हैं राशन

वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना भी लागू है और जो पात्र हितग्राही है, वे अपने हिस्से का राशन कहीं से किसी भी राशन दुकान से प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना में जिन पात्र हितग्राहियों के आधार पीओएस मशीन में लिंक हो गए हैं, वे कहीं से भी राशन प्राप्त कर सकते हैं। विभागीय अधिकारियों को कहना है सभी को वन नेशन-वन कार्ड योजना में जोड़ दिया गया है। हितग्राही अपना अंगूठा पीओएस मशीन में मैच कराकर राशन प्राप्त कर सकते हैं। योजना में कोई अलग से काम नहीं चल रहा है।

एक माह में बनेगा नया कार्ड

वर्तमान में नया राशन कार्ड या पात्रता पर्ची बनाने की अलग से कोई व्यवस्था नहीं है। पहले जैसे ही शहरी क्षेत्र में नगरीय निकाय और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत में आनलाइन आवेदन करना होगा। वहां से सत्यपित होने के बाद खाद्य आपूर्ति विभाग के पास आवेदन जाएगा और वहां से सत्यापन के बाद भोपाल भेजेंगे। वहां से जब नाम जुड़ेगा या कार्ड व पात्रता पर्ची जारी होगी, तब राशन प्राप्त होगा। लगभग एक महीने का समय इस प्रक्रिया में लग रहा है। यह बात विभाग भी स्वीकार रहा है। ऐसी कोई व्यवस्था नहीं कि किसी को तत्काल राशन दिया जा सके।

तीन महीने का निशुल्क राशन देने के निर्देश हुए हैं, जिसमें चावल और गेहूं देना है। जिन हितग्राहियों को पहले से राशन मिल रहा है, उन्हीं को मिलेगा। पूरी प्रक्रिया पहले जैसी ही है। सिर्फ चावल–गेहूं निशुल्क देना है।

-एचएस चौधरी, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी रतलाम

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–स्वदेश ---पृष्ठ 05 दिनांक 24/04/2021

कार्य संपादन हेतु निगमायुक्त ने अधिकारी एवं कर्मचारियों को किया पाबंद

रतलाम ● कोविड-19 महामारी की वर्तमान स्थिति में निकायों में उचित व्यवस्थाएं किये जाने हेतु शासन-निर्देशानुसार निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों को पाबंद किया।

श्री झारिया ने नगरीय क्षेत्र रतलाम में स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से संचालित श्मशान घाट/कब्रिस्तान या अन्य अंतिम संस्कार स्थलों पर व्यवस्थाएं सुदृढ़ किए जाने एवं प्रशासक/कलेक्टर के मार्गदर्शन में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराए जाने हेतु वार्ड क्रमांक 1 से 25 तक उद्यान पर्यवेक्षक धर्मेन्द्र दोगाया व वार्ड क्रमांक 26 से 49 तक अनिल पारा उद्यान पर्यवेक्षक को नियुक्त किया है। इसके अलावा शवों के परिवहन हेतु पर्याप्त वाहनों की व्यवस्था हेतु मनीष तिवारी उपयंत्री को नियुक्त किया है तथा कनटेंमेंट झोन, क्वारेंटीन केन्द्र एवं श्मशान घाट/कब्रिस्तान से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंध रूल्स 2016 के प्रावधान अनुसार अपशिष्ट निपटान हेतु एमपीपीसीबी द्वारा अनुबंधित एजेन्सी से करवाने हेतु स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह, जय उपाध्याय व तरूण राठौड़ उप स्वच्छता निरीक्षक को नियुक्त किया। कोविड मरीजों के घरों और कनटेंमेंट क्षेत्र को नियमित सेनिटाइज करने हेतु स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह, नरेन्द्र छपरी तथा संपूर्ण गठित दल को नियुक्त किया है। उक्त सभी अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यपालन यंत्री जीके जायसवाल के निर्देशन में कार्य संपादित करेंगे।

जनता कर्फ्यू उल्लंघन करने पर कार्रवाई जारी

रतलाम ●कोरोना कर्फ्यू के दौरान मास्क की अनदेखी करना व सामाजिक दूरी का पालन नहीं करना एवं बाजारों में बगैर कारण घूमने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खुली जेल में निरुद्ध किया एवं धारा 144 जा.फो. के आदेश का उल्लंघन करने पर धारा 188 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज किया। एसपी गौरव तिवारी के अनुसार आज पुलिस ने 91 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर अस्थायी जेल में निरुद्ध किया गया है। मास्क का उपयोग न करने वाले 204 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करते 13,050 रुपए का समन शुल्क वसूला गया एवं उन्हें मास्क भेंट किए गए। मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत 97 व्यक्तियों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। एसपी श्री तिवारी के अनुसार 1 अप्रैल से अभी तक कुल 904 प्रकरणों में 1003 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर अस्थायी जेल में निरुद्ध किया गया है एवं धारा 144 जा.फो. के आदेश के उल्लंघन करने पर धारा 188 भादवि के तहत कुल 44 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए है।

मंत्री देवड़ा कोविड पॉजिटिव होने के बाद भी कर रहे मॉनिटरिंग

जन-प्रतिनिधि एवं चिकित्सकों से लगातार संवाद जारी

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क 24-4-2021

वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी मंत्री एवं मंदसौर/रतलाम जिले के कोविड प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा कोरोना पॉजिटिव होने के बावजूद अपने प्रभार के जिलों के अधिकारियों एवं डॉक्टरों से लगातार सम्पर्क में है। उन्होंने प्रभार के जिलों में चिकित्सा सुविधाओं एवं संसाधनों के साथ ही मरीजों के उपचार एवं भोजन की व्यवस्था पर ध्यान देने की बात कही है। रतलाम मेडिकल कॉलेज के डीन से दूरभाष पर चर्चा के दौरान ऑक्सीजन एवं अन्य दवाईयों की उपलब्ध ता की जानकारी भी प्राप्त की।

व्यवस्था संबंधी जानकारी प्राप्त की

श्री देवड़ा ने विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया से दूरभाष पर चर्चा कर कोविड व्यवस्थाओं से जुड़ी जानकारियाँ प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय जीएनएमटीसी सेंटर तथा आयुष्मान योजना अंतर्गत चल रहे निजी कोविड-19 सेंटर में किसी भी प्रकार की कमी न हो तथा स्वास्थ्य प्रशासन एवं जिला प्रशासन स्तर पर हर संभव प्रयास किए जाएँ।

विधायक श्री सिसौदिया ने मंत्री श्री देवड़ा को अवगत करवाया कि मंदसौर जिला चिकित्सालय के प्रसूति तथा आकस्मिक दुर्घटना वार्ड को छोड़कर पूरा अस्पताल कोविड वार्ड में तब्दील कर दिया गया है। लगभग 100 पलंगों का एक अतिरिक्त निजी चिकित्सालय, जिसमे तीन चिकित्सालय की साझेदारी सुनिश्चित होगी, जो आयुष्मान कार्डधारी मरीजों को भी देखेंगे। अंबा पैलेस/यशराज पैलेस/ गणेश वाटिका क्षेत्र को कोविड वार्ड बनाए जाने की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है।

सोसाइटी के सुपूर्द की धनराशि

विधायक श्री सिसोदिया ने यह भी बताया गया कि जिला चिकित्सालय मंदसौर में आरटीपीसीआर कोविड-19 की जांच सुनिश्चित हो सके। इसलिए 25 लाख रुपए की राशि जिला कलेक्टर को विधायक निधि से दिए जाने की अनुशंसा कर दी गई है। उद्योगपति श्री प्रदीप गनेड़ीवाल द्वारा 15 लाख रुपए की राशि रेडक्रॉस सोसाइटी को सुपूर्द कर दी गई है। श्री देवड़ा ने बताया कि प्रभार जिले में कोविड संक्रमण की स्थिति से निपटने के लिये अन्य उद्योगपतियों से सम्पर्क कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे। मंत्री श्री देवड़ा ने प्रभार जिलों के डॉक्टरों से भी चर्चा कर उनका मनोबल बढ़ाया और कहा कि कोविड सेंटरों में किसी प्रकार की दवाईयाँ एवं ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

शुक्रवार को आयोजित टीकाकरण सत्रों में कुल 519 लोगों का कोविड-19 टीकाकरण किया गया

रतलाम। रतलाम जिले में 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है । शुक्रवार को आयोजित सत्रों के दौरान कुल 519 लोगों का टीकाकरण किया गया। रतलाम के बाल चिकित्सालय में कुल 365 हितग्राहियों को कोविड-19 के टीके लगाए गए । आरोग्य हॉस्पिटल में 95, पुराना कलेक्ट्रेट में 41, गीता देवी अस्पताल में 10 और श्रद्धा हॉस्पिटल में 8 लोगों का कोविड-19 टीकाकरण किया गया।

133 मरीज स्वस्थ होकर लौटे, मेडिकल कालेज से 20 डिस्चार्ज

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना से संक्रमित 133 लोगों को शुक्रवार को स्वस्थ होने की खुशी मिली। इन्हें स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। मेडिकल कालेज रतलाम से 20 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया। इसी प्रकार होम आइसोलेशन से 93 व्यक्तियों को निगेटिव रिपोर्ट आने के उपरांत डिस्चार्ज किया गया। शर्मा हास्पिटल से एक व्यक्ति को डिस्चार्ज किया गया। रेलवे हास्पिटल से चार व्यक्तियों को और अन्य सेंटर से 15 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया। डिस्चार्ज होने के बाद इन सभी ने कोविड निर्देशों का पालन करने और अपने परिचितों, स्वजन को मास्क लगाने, पर्याप्त दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया।

केवल नान आक्सीजन बेड खाली

शासकीय मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार मेडिकल कालेज में 60 नए मरीज भर्ती हुए। शुक्रवार की स्थिति में मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आइसीयू बेड 56 सभी फुल है। एचडीयू में 172 बेड सभी फुल हैं। आक्सीजन बेड 120 सभी फुल है। नान आक्सीजन बेड 202 में से 129 पर मरीज भर्ती हैं। कुल 477 मरीज हास्पिटल में भर्ती हैं। इनमें 280 पाजीटिव और शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल में रिक्त बेड 73 है। उन्होंने बताया कि मरीजों व उनके स्वजन को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में निरंतर वृद्धि की जा रही है।

शासकीय मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता को ग्लूको मीटर प्रदान करते शैलेंद्र डागा आदि। • नईदुनिया

समाजसेवी संस्थाएं आ रही आगे

सामाजिक संस्थाओं द्वारा मरीजों की सहायता के लिए आवश्यक सामग्री प्रदान की जा रही है। संयुक्त ब्राह्मण सामाजिक कल्याण समिति द्वारा मेडिकल कालेज में 12 नेबुलाइजर दिए गए। रजनी, सुनीता तिवारी, ऋचा अवस्थी, पूर्णिमा तिवारी, ज्योति मिश्रा, संगीता तिवारी द्वारा 12 नेबुलाइजर प्रदान किए गए। इसी प्रकार श्री माहेश्वरी समाज द्वारा शासकीय मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता को मरीजों की सुविधा के लिए आवश्यक 50 ब्लड शुगर टेस्टिंग मशीन (ग्लूको मीटर) प्रदान की गई। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष शैलेंद्र डागा, डा. बीएल तापड़िया, माधव काकानी, नरेंद्र बाहेती, द्वारकादास भंसाली, राजेश चौखड़ा, सुनील लाठी आदि समाजजन उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज में आक्सीजन की कमी बढ़ी

रतलाम। मेडिकल कालेज में लगातार आक्सीजन की कमी हो रही है। तीन दिन पहले तक 24 घंटे में 10 केएल आक्सीजन प्राप्त हो रही थी, लेकिन अब 50 घंटे में मिल रही है। कोविड केयर सेंटर में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हर दिन 1000 से 1200 आक्सीजन सिलिंडर की जरूरत है और 900 सिलिंडर उपलब्ध हो रहे हैं। दो एजेंसियों से आक्सीजन प्राप्त हो रही है, लेकिन आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। कालेज प्रबंधन अभी तक इंदौर से अतिरिक्त व्यवस्था कर रहा है, लेकिन अब वहां से भी मिलने में दिक्कत होने लगी है। कालेज में आक्सीजन का टैंक तैयार है, पाइप लाइन भी लगी है, लेकिन आक्सीजन टैंक खाली होने से सिलिंडर का उपयोग हो रहा है। कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि जरूरत के अनुसार आक्सीजन नहीं मिल रही है। लगातार कमी होती जा रही है। अभी तक जिला प्रशासन के साथ मिलकर किसी तरह आपूर्ति की जा रही, लेकिन यही स्थिति रही तो आगे बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। अब तो हालात ऐसे बन गए हैं कि मरीजों को वापस करना पड़ सकता है। हालांकि हम अभी सभी मरीजों को भर्ती कर रहे हैं और किसी तरह व्यवस्था बना रहे हैं। आक्सीजन की कमी हमारी चिंता बढ़ा रहा है।

बच्चों के लिए अभी कोई वैक्सीन नहीं • अच्छी बात ये कि... अब तक घर पर रहकर ठीक हो रहे हैं बच्चे

बच्चों का रखें ख्याल... 7 दिन में 20 बच्चे हुए पॉजिटिव

भास्कर संवाददाता | रतलाम

आपके घर में छोटे बच्चे हैं... तो सावधान रहें। कोरोना की दूसरी लहर में बच्चों में संक्रमण के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। शहर में 7 दिन में 12 साल से कम के 25 बच्चे पॉजिटिव आ चुके हैं। 5 की उम्र तो 5 साल से कम है। डॉक्टरों की सलाह है कि बच्चों को घर से न निकलने दें। दुलार में लोग बच्चे को चूमते है... ये आदत आपको भारी पड़ सकती है।

बच्चों के लिए अभी वैक्सीन नहीं, दुनिया में ट्रायल ही चल रहा

- अभी भारत में दो वैक्सीन लगाई जा रही है- को वैक्सीन और कोवीशील्ड।
- दोनों वैक्सीन का 18 साल से अधिक आयु वाले लोगों पर ट्रायल हुआ है। इसलिए ये 18 साल से कम उम्र के लोगों को नहीं लगाई जा रही है।
- कोवैक्सिन के फेज-2 ट्रायल्स में जरूर 12 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को शामिल किया था, पर बड़े पैमाने पर ट्रायल्स नहीं हुए थे।
- भारत में फिलहाल गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं व 18 साल से कम के लिए वैक्सीन नहीं है।
- दुनियाभर में बच्चों की वैक्सीन पर काम चल रहा है। आने वाले दिनों में बच्चों के लिए वैक्सीन उपलब्ध हो जाएगी। तब तक इंतजार करना होगा।
- बच्चों के हाथ धोने, सोशल डिस्टेंसिंग रखने और मास्क पहने रखने के लिए उन्हें तैयार करना होगा।

7 दिन में शहर में किस उम्र के बच्चे पॉजिटिव

23 अप्रैल - 8 व 12 साल के 2-2 व 5 साल का एक बच्चा।
22 अप्रैल-2, 5, 8व 11 साल
21 अप्रैल -6, 8 व 12 साल
20 अप्रैल - 8 व 9 साल का
19 अप्रैल - 4, 5, 8 व 11 साल का1-1, 8 साल के 2।
18 अप्रैल 12 साल का 1 बच्चा।
17 अप्रैल -11 व 8 साल का
16 अप्रैल- 6, 7, 12 साल का।

बच्चा बीमार है... क्या करें...? : अगर बच्चे को किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम है तो डॉक्टर से इस बारे में सलाह लें। सर्दी, सूखी खांसी, बुखार को हल्के में ना लें। कोरोना की जांच करने से ना हिचकिचाए। रिपोर्ट पॉजिटिव आ भी जाए तो घबराने की जरूरत नहीं है।

परिजन के माध्यम से घर पहुंच रहा संक्रमण

- बच्चों में संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं, बच्चे खुद बाजार नहीं जाते परिजन ही उन्हें ले जाते है।
- बच्चों को साथ लेकर बाहर बिल्कुल ना निकलें। अभी के समय में रिश्तेदारी में भी बच्चों को ना ले जाएं।

एक्सपर्ट व्यू

- परिजन के माध्यम से संक्रमण घर पहुंचता है, घर पर आएं तो खुद को सैनिटाइज करने के बाद ही बच्चों या किसी अन्य सामान को छुए।
- बच्चों को पौष्टिक आहार दें, बाहर के खान-पान की आदत बंद करें। फल-फ्रूट दें।
- घर की सफाई अच्छे से करें, मेटल को रेग्युलर क्लीन करते रहें, खिलौने को दिन में दो बार साफ करें।
- आमतौर पर छोटे बच्चों को परिवार के सभी सदस्य दुलारते हैं, उन्हें बार-बार चूमते हैं, ऐसा नहीं करना चाहिए।
- परेशानी होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

(एक्सपर्ट - डॉ. आरसी डामोर, शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. [illegible])

04/....2021

द्वारा लाए गए ऑक्सीजन से भरे सिलेंडर

न की कमी से रात में मचा मौत पर परिजनों का हंगामा

0% आरक्षित थे बेड

कोरोना मरीजों के उपचार के ए सरकार ने सभी अस्पतालों को % बेड आरक्षित रखने के निर्देश री किए हैं लेकिन रतलाम के कुछ स्पताल शासन के नियमों को धता रहे हैं। निजी अस्पताल और ग होम की मनमानी पर प्रशासन लगाम नहीं लगा पा रहा है सका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। शहर में निजी अस्पतालों की भरमार होने के बाद भी स्थानीय मरीजों का मेडिकल कॉलेज में दबाव बढ़ रहा है। मरीजों को घंटों भर्ती होने के लिए एंबुलेंस में ही इंतजार करना पड़ता है।

आज 98 स्थानों पर होगा टीकाकरण

जिले में शनिवार को आयोजित किए जाने वाले कोविड-19 टीकाकरण के लिए 98 स्वास्थ्य केंद्रों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। सत्रों के दौरान 45 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति कोविड-19 का टीका लगवा सकेंगे। रतलाम शहर के बाल चिकित्सालय, रतलाम रेलवे हॉस्पिटल रतलाम, पुराना कलेक्ट्रेट, कम्युनिटी हॉल अलकापुरी, कम्युनिटी हॉल जवाहर नगर, जिला आयुष अस्पताल, जैन कश्यप सभागृह सागोद रोड आदि स्थानों पर निशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। वहीं निजी अस्पतालों आरोग्य हॉस्पिटल, गीता देवी हॉस्पिटल, श्रद्धा हॉस्पिटल, आशीर्वाद नर्सिंग होम, जैन दिवाकर हॉस्पिटल और साई श्री अस्पताल में सशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। रतलाम ग्रामीण, सैलाना, जावरा, पिपलोदा और आलोट विकासखंड में भी टीकाकरण किया जाएगा।

519 ने लगवाया टीका

जिले में 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। इसके तहत शुक्रवार को आयोजित सत्रों के दौरान कुल 519 लोगों का टीकाकरण किया गया। रतलाम के बाल चिकित्सालय में कुल 365 हितग्राहियों को कोविड-19 के टीके लगाए गए। आरोग्य हॉस्पिटल में 95, पुराना कलेक्टेट में 41, गीता देवी अस्पताल में 10 और श्रद्धा हॉस्पिटल में 8 लोगों का कोविड-19 टीकाकरण किया गया।

137 मरीजों ने दी कोरोना को मात

कोरोना को मात देकर शुक्रवार को 137 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। मेडिकल कॉलेज रतलाम से 20 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया जबकि होम आइसोलेशन से 97 व्यक्तियों को नेगेटिव आने के बाद डिस्चार्ज किया गया। निजी अस्पताल से एक, रेलवे हॉस्पिटल रतलाम से 4 व्यक्तियों को तथा अन्य सेंटर से 15 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया। डिस्चार्ज होने के बाद इन सभी ने कोविड निर्देशों का पालन करने तथा अपने परिचितों, परिजनों को मास्क लगाने, पर्याप्त दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर पृष्ठ 01 दिनांक 24/04/2021

रतलाम मेडिकल कॉलेज

ऑक्सीजन खत्म, अधिकारियों की सांसें फूलीं, निगम वाहनों से ताबड़तोड़ पहुंचाए सिलेंडर

निगम के ट्रैक्टर से सिलेंडर उतारते डॉक्टर व निगमकर्मी।

भास्कर संवाददाता | रतलाम

शुक्रवार शाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती 300 कोविड मरीजों की जान संकट में आ गई। लिक्विड ऑक्सीजन दोपहर में खत्म हो गई थी। स्टॉक में रखे 450 सिलेंडर लगाना शुरू कर दिए। शाम 7 बजे अफरा-तफरी मच गई, जब महज 60 से 70 सिलेंडर बाकी रह गए थे। डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने विधायक चेतन्य काश्यप, कलेक्टर गोपालचंद्र डाड को स्थिति बताई। विधायक ने कोविड प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा को जानकारी दी। कमिश्नर सोमनाथ झारिया को नगर निगम के सारे लोडिंग वाहन लेकर कॉलेज भेजा। 50-50 सिलेंडर मालवा और महावीर ऑक्सीजन प्लांट से भरकर कॉलेज पहुंचाते रहे और खाली होते रहे। हालत यह थी की निगमकर्मियों के साथ कॉलेज के डॉक्टर और नर्स भी सिलेंडर चढ़ा और उतार रहे थे। 6.30 घंटे तक मची यह हलचल तब शांत हुई जब रात 12.30 बजे टैंकर 5 एमटी लिक्विड ऑक्सीजन लेकर पहुंचा। हालांकि यह ऑक्सीजन शनिवार दोपहर तक चल पाएगी। डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया लिक्विड ऑक्सीजन दोपहर में खत्म हो गई थी। शाम को सिलेंडर की शार्टेज होने लगी थी। विधायक, कलेक्टर और कमिश्नर के प्रयासों से मरीजों की जान बच गई। विधायक काश्यप ने बताया मंगलवार दोपहर तक 20 टन ऑक्सीजन और आ जाएगी। उसका प्रबंध हो गया है। उधर आयुष ग्राम कोविड अस्पताल में रात 12 बजे ऑक्सीजन खत्म हो गई। 20 से ज्यादा मरीजों की जान बचाने खुद डॉ. राजेश शर्मा परिजन के साथ ऑक्सीजन प्लांट पहुंचे और सिलेंडर भरवाकर अस्पताल पहुंचाए।

123 होम आइसोलेट मरीजों को घर पहुंचाई दवाइयां

रतलाम | नगर निगम ने शुक्रवार को 123 होम आइसोलेट मरीजों तक मेडिसिन किट पहुंचाई। सुबह ई-दक्ष केंद्र से होम आइसोलेशन के मरीजों की सूची लेकर स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने जिला अस्पताल के स्टोर से 160 मेडिसिन किट ली। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार दलों को देकर बांटने रवाना किया। 123 के घर किट दी। 16 भर्ती थे। 12 के पते गलत मिले, 6 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर के थे।

बायो मेडिकल वेस्ट और डिस्पोजल की टीम बनाई

रतलाम | होम क्वारेंटाइन व्यक्तियों से उत्पन्न बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल के लिए आयुक्त सोमनाथ झारिया ने टीम बनाई है। जिम्मेदारी जोन प्रभारी किरण चौहान (7471144932) की रहेगी। वाहन चालक वसीम अब्दुल मजीद वाहन एमपी43 जी 2875 से वेस्ट संग्रहण करेंगे। रोज का रिकॉर्ड रखा जाएगा।